नैक (NAAC) द्वारा "A" ग्रेड प्राप्त

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

जनसंपर्क विभाग- Ph./Fax: 07152-252651 मो.9960562305 इ-मेल: mgahvpro@gmail.com

वेबसाइट : www.hindivishwa.org

हिंदी विवि में चीनी, जापानी लिपि लेखन प्रतियोगिता एवं प्रशिक्षण कार्यशाला

साहित्य, संस्कृति की पहचान है भाषा -प्रो. गिरीश्वर मिश्र

वर्धा दि. 21 अक्तूबर 2015: साहित्य और संस्कृति की पहचान का काम भाषा करती है। किसी भी देश या समाज के विभिन्न पहलुओं को देखने का माध्यम भाषा होती है, वस्तुत: भाषा एक खिडकी का काम करती है। उक्त बातें महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने कही। वे विश्वविद्यालय के भारतीय एवं विदेशी भाषा अध्ययन केंद्र, भाषा विद्यापीठ की ओर से चीनी, जापानी लिपि प्रशिक्षण कार्यशाला एवं लेखन प्रतियोगिता के समापन पर बोल रहे थे। इस अवसर पर भाषा विद्यापीठ के अधिष्ठाता प्रो. हनुमान प्रसाद शुक्ल, प्रो. विजय कौल, सहायक प्रोफेसर अनिर्बाण घोष, रवि कुमार, सन्मति जैन, पीयूष प्रताप सिंह मंचासीन थे।

कुलपति प्रो. मिश्र ने कहा कि हमारे यहां के विद्यार्थियों में विदेशी भाषा के प्रति रूचि बढ़ रही है। विदेशी भाषाओं का उपयोग पर्यटन, राजनीति में बडे पैमाने पर हो रहा है और इन्ही भाषाओं से रोज़गारों के अवसरों में भी बढ़ोतरी हो रही है। विदेशी भाषाओं के पाठ्यक्रमों को शुरू करने से

विश्वविद्यालय की अंतरराष्ट्रीय पहचान भी हो रही है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की बढ़ती रूचि को देखते हुए आगामी सत्र से जर्मन और रशियन भाषाओं के पाठ्यक्रम भी शुरू किए जा सकते है।

कार्यक्रम में कुलपति द्वारा कार्यशाला और प्रतियोगिता में सहभागी विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र और प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन रवि कुमार ने किया।

हिंदी विश्वविद्यालयात चीनी, जापानी लिपी लेखन स्पर्धा आणि प्रशिक्षण कार्यशाळा

भाषेतून साहित्य, संस्कृतीची ओळख -प्रो. गिरीश्वर मिश्र

वर्धा दि. 21 ऑक्टोबर 2015: भाषेतून साहित्य आणि संस्कृतीची ओळख होते. भाषा ही त्या देशातील समाज, साहित्य आणि संस्कृतिचे चित्र पाहण्यासाठी खिडकीचे काम करते असे प्रतिपादन महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालयाचे कुलगुरु प्रो. गिरीश्वर मिश्र यांनी केले. ते विश्वविद्यालयातील भारतीय व विदेशी भाषा अध्ययन केंद्र, भाषा विद्यापीठाच्या वतीने आयोजित चीनी, जापानी लिपी प्रशिक्षण कार्यशाळा व लेखन स्पर्धेच्या समारोपीय कार्यक्रमात बोलत होते. यावेळी भाषा विद्यापीठाचे अधिष्ठाता प्रो. हनुमान प्रसाद शुक्ल, प्रो. विजय कौल, सहायक प्रोफेसर अनिर्बाण घोष, रवि कुमार, सन्मती जैन, पीयूष प्रताप सिंह मंचावर उपस्थित होते.

कुलगुरु प्रो. मिश्र म्हणाले की विद्यार्थ्यांमध्ये विदेशी भाषा शिकण्याची आवड मोठया प्रमाणात निर्माण होते आहे. रोजगाराच्या संधीचे मोठे माध्यम विदेशी भाषा ठरत आहे. विदेशी भाषेप्रती विद्यार्थ्यांचे आकर्षण लक्षात घेता पुढे जर्मन आणि रशियन भाषांचे अभ्यासक्रम सुरू करण्यात येतील असा मानस त्यांनी व्यक्त केला.

कार्यशाळा आणि स्पर्धेत सहभागी विद्यार्थ्यांना कुलगुरुंच्या हस्ते पुरस्कार आणि प्रमाणपत्र देण्यात आले. कार्यक्रमाचे संचालन रवि कुमार यांनी केले.